आर्थिक विकास का माप

Definition

आर्थिक विकास - अर्थव्यवस्था का [redacted] गुणात्मक प्रगति आर्थिक विकास है। जबकी मात्रात्मक आर्थिक प्रगति आर्थिक संवृद्धि है। आर्थिक संवृद्धि को माप-तौल की परंपरागत प्रणालियों के द्वारा मापा जाता है जबकी आर्थिक विकास आर्थिक प्रगति का मानवीय चेहरा है।

आर्थिक विकास की माप को दो वर्गों में बांटा जाता है –

(i) विकास की आर्थिक माप

(ii) विकास [redacted] सामाजिक माप

विकास की आर्थिक माप

ये विकास की वे माप है जो कुशल कार्यक्रमों के इस प्रकार के प्रयोग से संबंधित है जिससे लोगों की आय, उत्पादन तथा रोजगार के ऊंचे स्तर प्राप्त हो सके। मुख्य आर्थिक माप निम्नलिखित हैं —

(i) उत्पादन का ऊंचा स्तर

(ii) रोजगार का ऊंचा स्तर

(iii) आय का ऊंचा स्तर

(iv) उत्पादकता का ऊंचा स्तर

(v) रोजगार तथा उत्पादन में प्राथमिक क्रियाओं की अपेक्षा द्वितीय एवं तृतीय क्रियाओं का अधिक महत्व होना

A. राष्ट्रीय आय द्वारा आर्थिक विकास की माप

साइमन कुजनेट्स, यंगसन, हिक्स आदि विद्वानों ने राष्ट्रीय आय को आर्थिक विकास का अच्छा माप माना है। सैम्युलसन के अनुसार कुल राष्ट्रीय उत्पादन आर्थिक विकास का सबसे अच्छा माप है।

What is राष्ट्रीय आय – {
चालू कीमत पर
स्थिर कीमत पर

B. प्रति व्यक्ति आय द्वारा आर्थिक विकास का माप

इसकी गणना किसी देश की कुल राष्ट्रीय आय को उस देश की कुल जनसंख्या द्वारा भाग देने से प्राप्त की जा सकती है। प्रति व्यक्ति आय की निम्नलिखित दो धारणाएं है:

a. मौद्रिक प्रति व्यक्ति आय
b. वास्तविक प्रति व्यक्ति आय

a. मौद्रिक प्रति व्यक्ति आय =

$$= \frac{Q \times P}{\text{जनसंख्या}}$$

Q = वस्तुओं एवं सेवाओं की मात्रा
P = वस्तुओं एवं सेवाओं का मूल्य

b. वास्तविक प्रति व्यक्ति आय

$$= \frac{\text{स्थिर कीमत पर राष्ट्रीय आय}}{\text{जनसंख्या}}$$

C. जीवन की गुणवत्ता सूचकांक

जीवन की गुणवत्ता का तात्पर्य लोगों के कल्याण से है यह कई बातों पर निर्भर करता है। जिसमें जीवन की आधारभूत सुविधायें (भोजन, आवास, कपड़ा) की उपलब्धता, आय एवं धन का समान वितरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ वातावरण, राजनैतिक एवं सामाजिक अधिकार आदि महत्वपूर्ण है। इसमें से कुछ सूचकों के प्रयोग से जीवन की गुणवत्ता सूचकांक की रचना की जाती है। नीचे दो प्रकार के सूचकांकों का वर्णन है —

a. जीवन की भौतिक गुणवत्ता सूचकांक

b. मानव विकास सूचकांक

a. जीवन की भौतिक गुणवत्ता सूचकांक

इसका प्रतिपादन मौरिस डी. मौरिस ने 1970 के अंत में किया। PQLI (Physical Quality of Life index) का निर्माण तीन सूचकों को लेकर किया जाता है —

i. जीवन प्रत्याशा सूचक (जीवन प्रत्याशा)

ii. शिशु मृत्यु सूचक (शिशु मृत्यु)

iii. आधारित साक्षरता सूचक (साक्षरता)

$$PQLI = \frac{\text{जीवनप्रत्याशा} + \text{शिशु मृत्यु} + \text{साक्षरता}}{3}$$

मानव विकास सूचकांक

मानव विकास सूचकांक की अवधारणा वर्ष 1990 में UNDP से जुड़े अर्थशास्त्री महबूब उल हक ने की थी जिसका उपयोग सन् 1993 से UNDP अपना मानव विकास रिपोर्ट तैयार करने में करता है। मानव विकास रिपोर्ट तैयार करने में तीन सूचकांकों का प्रयोग किया जाता है —

(i) जीवन प्रत्याशा सूचक
(ii) शिक्षा सूचक
(iii) आय सूचक

$$HDI = \frac{\text{जीवन प्रत्याशा सूचक} + \text{शिक्षा सूचक} + \text{आय सूचक}}{3}$$

सन् 2010 से पहले HDI का मान अंकगणितीय माध्य विधि से निकाला जाता था परंतु अब ज्यामितीय माध्य से निकाला जाता है।

मानव विकास के परिदृश्य को और स्पष्टीकरण के लिए UNDP ने 1995 से लैंगिक विकास सूचकांक (GDI) ; तथा लैंगिक सशक्तीकरण ~~माप~~ (GEM) को विकसित किया है।

वर्ष 2010 में तीन नये ~~Multidimensional~~ बहुआयामी मापक — विषमता समायोजित मापक का प्रयोग शुरू हुआ। यह मापक मानव विकास सूचकांक की धारणा में परिष्करण किया।

ये तीन विषमता समायोजित मापक हैं:

i. Inequality Adjusted HDI (IHDI)
ii. Gender inequality index (GII)
iii. Multidimensional poverty Index (MPI)

(i) inequality Adjusted HDI (IHDI)
विषमता समायोजित मानव विकास सूचकांक

ii. Gender inequality index GII
लैंगिक विषमता सूचकांक

लैंगिक विषमता मानव विकास में सबसे प्रमुख अवरोधक है। 1995 के बीजिंग में चौथे महिला सम्मेलन से पहले दो सूचकांक जारी किए गए। पहला GDI दूसरा GEM। जहाँ GDI पुरुषों एवं महिलाओं के बीच विषमता को प्रदर्शित करता है वहीं GEM राजनीतिक भागीदारी, आर्थिक भागीदारी तथा आर्थिक संसाधन पर पर महिलाओं के अधिकार पर बल देता है।

(iii) Multi Poverty Index

MPI के तहत एक ही परिवार के सदस्यों में पाए जाने वाले शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर से संबंधित अभावों पर ध्यान दिया गया है। यह सूचकांक जनसंख्या के उस हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है जो बहुआयामी निर्धनता से ग्रस्त हो। यह सूचकांक 10 अभावों पर आधारित है जो क्रमशः शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर से संबद्ध हैं।

शिक्षा

a. 5 वर्ष की स्कूली शिक्षा से वंचित लोग (स्कूलिंग वर्ष)
b. स्कूल में जाने योग्य बच्चों का स्कूल में नामांकन नहीं (अनामांकित शिशु)

स्वास्थ्य

a. कुपोषण
b. शिशु मृत्यु

जीवन स्तर

a. स्वच्छ पेयजल का उपलब्ध न होना / जल
b. पर्याप्त सफाई व्यवस्था का अभाव / टॉयलेट
c. स्वच्छ ईंधन का अभाव / खाना बनाने के लिए ईंधन
D. बिजली का अभाव / बिजली
E. वाहन का अभाव / संपत्तियां
F. घर का कच्चा या गंदा फर्श / फ्लोर

मानव विकास रिपोर्ट - 2016 स्पष्टीकरण